प्रेपक.

आरवशीवपानोबास, सचिव व्याय एवं विधि प्रापनी, रत्नगंधन शासन ।

संचा में

महानियनाक भाग उत्तरांचल उच्च न्यायालयः

न्याय अनुभाग : 2

कारादुन : विनांक : 1% दिस्सवर, 2006

तिषयः ॥, उत्तरानेल उच्च न्यायालयः नैनोसाल के इक्यामार्थ दहराद्व से एक अति विशिष्ट अतिर्धिगृह एवं प्रधायत के निर्धाण के लिए भूमि अधिमहण एवं धनयशि उपलब्ध कराया अन्त ।

शहादय

कृषणा उपयुंक्त विषयक जिल्लाधिकारों, दहराद्व के पत्र संख्या-63/आत कि.घू. इर अ /रहराद्व/2006 रिलंक 22,200 के मानवा में मूर्त के करने के किया कि है कि मा. उत्पानन उच्च लायालम निवास के उपपाताओं देशान के कि मा कि कि मा कि मानवा के कि मा मिलाय कि कर पूर्ण मिलाय कि कर अपनाता के कि मा कि मानवा के कि मा मिलाय कि कर अपनाता के कि मानवा के मा

- डकत धनतारा का मृत आगणन में यांगालन किया नायना ।
- (1) उन्त भन्यांश का चेक अथवा चैक दाफर विषय भूगि अध्यक्ति अधिकार्त दासद्व व परा में इंपलस्य कराया वार्यना ।
- (1) ।) अन् उसी पर में किया जायम जिसके लिय यह स्थापन किया था सा है।
- (IV) चोड कर्मा समय बाहर केंग्जान, विक्रीय हस्तपब्लिया, भिताययसा के निष्य में शास्त्र दाए समय बाह्य पर निर्मत आनेशों का अनुसन्तर विद्या अलगा ।
- (V) व्याप भारत वह उपयाना इसका उपयोगिता प्रमुख पद शासन को दिकार 313,2007 गढ़ प्रस्तुत कम दिया जागाता ।
- 2- इस धान्तन्थ में होने बाला न्यय नर्रमान विक्रीय वर्ष 2006-2000 के आप न्यय के अनुदान संस्था (०) कि अन्तर्गत संख्या-नोर्पक "4059 लोकर्रामांन कार्य पर देवीचा परिवाय-60 आन्य भागा-03) निर्माय (०) अन्तर्गतन्त्रामा -03-न्यायक महातों संसु भागने का विर्माय-24-पूरण निर्माय कार्य के बाले जाना जानवा ।
- 3 मह महण जिला अनुष्मा 5 के अभागकाय मन्या 331/XXVII(51/2006 दिनोक 11.12.06 में पान स्वका धार्मित म जारी किया था रहे हैं ।

ALLAL

। गार्वहार ग्रामानाम

21/147

मेल्या: 55 मा : ) XXXVI (1)/2006 17 से।2 /05 वर्षानांक ।

प्रतिनिध निम्तिनिधा की मुनवर्ग एवं आरुएगड कर्णनारी हन प्राप्त :

- । महालखाकार उत्तरांचल, अवस्याय प्राटर विकिता, माजस, देरशन्त ।
- मुख्य सनिव अगरावन दाराह्न ।
- जिलां काते दहरादुव ।
- व विकास प्रति अध्यापित अधिकारी, दहराद्व ।
- ५ चितिष्ठ काणाधिकारी, नेरीलाल/दहरादुन ।
- विशाप कार्याचिकारी मा. मुख्यमंत्री का गा. गृख्यमंत्री जी के अवलाकतार्थ ।
- र विता अनुभाग अध्यक्तिमा सहायक/धन गर्ह स्थ १००५ च्या ।